

उत्तराखण्ड शासन
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ
(शिक्षा विभाग)
संख्या- 65/XXIV(9)/रा0से0यो/161(08)
देहरादून दिनांक 17 जुलाई, 2008

कार्यालय ज्ञाप

वर्ष 2008-09 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (शिक्षा विभाग) के अधिकारी एवं कर्मचारियों के अधिष्ठान व्यय हेतु शासनादेश संख्या-01/XXIV(9)/रा0से0यो/54(07) दिनांक 2 अप्रैल 2008 द्वारा आयोजनागत पक्ष में रू0 18,08,000/- (रू0 अठारह लाख आठ हजार मात्र) का अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस स्वीकृत राशि को यथावत रखते हुए श्री राज्यपाल महोदय बी.एम. 15 के विवरण के अनुसार वेतन एवं अवकाश यात्रा व्यय मद में निम्नानुसार परिवर्तन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

मानक मद	पूर्वस्वीकृत अनुदान	वी0एम0 15 के अनुसार अपेक्षित अनुदान	पुनर्विनियोग के उपरान्त मद में कुल स्वीकृत अनुदान
01- वेतन	7,50,000	7,30,000	7,30,000
45-अवकाश यात्रा	5,000	20,000	25,000

अतः कार्यालय संख्या- 01/XXIV(9)/रा0से0यो/54(07) दिनांक 02 अप्रैल 2008 को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाय। कार्यालय ज्ञाप के अन्य समस्त प्राविधान यथावत रहेंगे।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 94(P)XXVII(3)08-09 दिनांक 09 जुलाई, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

(राजीव चन्द्र)
सचिव

संख्या- 65 (1)/XXIV(9)/रा0से0यो/161(08) तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
- 2- निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
- 3- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ उत्तराखण्ड देहरादून।
- ✓ 4- निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड देहरादून।
- 5- अवर सचिव, भारत सरकार, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
- 6- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- उच्च शिक्षा अनुभाग, वित्त अनुभाग, नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 8- व्यवस्थाफलक।
- 9- आदेश पत्रावली।

आज्ञा से
Gulra
(इन्दुधर बौडाई)
अपर सचिव

आय-व्यय प्रपत्र-15
अनुदान सं0 -11

आयोजनागत से आयोजनागत
पुनर्विनियोग वर्ष 2008-09

(धनराशि रु0 हजार में)	प्रविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण जहाँ धनराशि उपलब्ध है	नानक नदवार 10 अप्रैल 2008 तक वास्तविक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि का स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 की अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	
2202-सामान्य शिक्षा	03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा	800-अन्य व्यय	01-केंद्रीय आयोजनागत / केंद्र द्वारा पुनर्निधित्त योजना	0103-राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकाष्ठ की स्थापना(100 / क स)	01-वैतन	750	34	राष्ट्रीय सेवा योजना केंद्रीय पुनर्निधित्त योजना है योजना के अन्तर्गत रा संय प्रकाष्ठ के अधिष्ठान के समस्त व्ययों की शतप्रतिशत पूर्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है शा सं -01/XXIV(91)/सं0सं0सं0/54(07) दि0 02.04.08 द्वारा प्रकाष्ठ के लिए वर्ष 2008-09 हेतु रु 5.06 लाख का अनुदान जारी किया गया है। मानक मद संख्या 45-अवकाश यात्रा व्यय में मात्र रु0 5,000 / की राशि स्वीकृत की गई है। प्रकाष्ठ ने कार्यरत मुख्य सहायक, श्री उमेश चन्द्र हिमरी द्वारा 30 वर्ष सेवा के उपरान्त अन्तिम अवकाश यात्रा सुविधा हेतु प्रार्थना की है किन्तु अनुदान पर्यन्त नहीं है तथा लगभग रु0 25,000 की राशि कम होने के कारण प्रकाष्ठ हेतु स्वीकृत अनुदान की मात्रक मद 01-वैतन की वृत्त से पुनर्विनियोग के माध्यम से अवकाश यात्रा व्यय मद में रु. 20000 का प्रविधान किया जाना प्रस्तावित है।
750		696	20	20	20	25	730	
750		6,96	20	20	20	25	730	

(इन्दुधर बोडई)
अपर सचिव